



यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषद

इतिवृत्त

बुधवार, दिनांक १७ फेब्रुवारी, २०१६ रोजी सकाळी ११:३० वाजता वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषदेची समा आयोजित करण्यात येत आहे. सदर बैठकीस खालील सदस्य उपस्थित होते.

| | |
|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| ०१. मा. डॉ. प्रकाश देशमुख, प्र.संचालक, वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा | अध्यक्ष |
| ०२. श्रीमती. एस. व्ही. मशरुल्लाला, मुंबई | सदस्य |
| ०३. प्रा. अरविंद बोन्द्रे, नागपूर | सदस्य |
| ०४. डॉ. महेश कुलकर्णी, नासिक | सदस्य |
| ०५. डॉ. उमेश राजदेरकर, सहयोगी प्राध्यापक, मानवविद्या व सामाजीकशास्त्रे विद्याशाखा | सदस्य |
| ०६. डॉ. जयदिप निकम, प्र. संचालक, आरोग्य विज्ञान विद्याशाखा | सदस्य |
| ०७. डॉ. कविता साळुंके, सहयोगी प्राध्यापक, शिक्षणशास्त्रे विद्याशाखा | सदस्य |
| ०८. श्री. राजेंद्र वाघ, सहाय्यक प्राध्यापक, कृषी विज्ञान विद्याशाखा | सदस्य |
| ०९. डॉ. सुरेंद्र पाटोळे, सहाय्यक प्राध्यापक, वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा | सदस्य |
| १०. डॉ. लतिका अजबानी, सहाय्यक प्राध्यापक, वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा | सचिव |
| ११. डॉ. हेमंत राजगुरु, सहयोगी प्राध्यापक, शैक्षणिक सेवा विभाग | विशेष |
| | निमंत्रित |

सभेच्या सुरुवातीस प्र.संचालक, वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा यांनी उपस्थित असलेल्या सर्व सदस्यांचे स्वागत केले. डॉ. व्ही. एम. चव्हाण, कोल्हापूर, डॉ. सी. एम. घितळे, पुणे, डॉ. राजश्री शिंदे, पुणे, डॉ. श्रीकांत जोशी, पुणे हे सदस्य काही अपरिहार्य कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकले नाहीत. सदर बैठकीत खालील विषयावर चर्चा होऊन निर्णय घेण्यात आले.

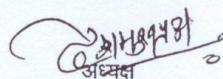
| तपशील | विषय क्र. |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| मागील दिनांक १२ मार्च, २०१५ रोजी झालेल्या बैठकीचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे (टिपणी - दिनांक १२ मार्च, २०१५ रोजी झालेल्या वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषदेच्या बैठकीचे इतिवृत्त विद्याशाखा परिषदेच्या मान्यतेसाठी सादर.) वि. प. ठराव दिनांक १२ मार्च, २०१५ रोजी झालेल्या बैठकीचे इतिवृत्त वाचून कायम करण्यात आले | १.१.० |

| | | |
|-------|--|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | | <p>देण्यासाठी विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेपूढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या लेखक, संपादकांच्या व आय टी एडिटींगचे नावांना सोबत जोडलेल्या यादीप्रमाणे सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. तसेच लेखकांना त्यांच्या विषयात आवश्यकता असल्यास सहलेखक नेमण्याचा अधिकार त्या विषयाच्या लेखकालाच देण्यात आला. तसेच ज्या लेखकांचा आत्तापर्यंत काहीही होकार आला नाही त्या जागी त्यांनीच नविन लेखकांची किंवा आय टी च्या इतर लेखकांची नावे सुचवून विद्याशाखेने त्या नावास मान्यता घेण्यासाठी विद्यापीठाने ठरवून दिलेल्या विहित पद्धतीचा अवलंब त्यांचेकडून काम करून घेण्यात यावे असे ठरले.</p> |
| १.५.० | | <p>एमबीए या शिक्षणक्रमाचा प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापन अभ्यासकेंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता मिळणेबाबत</p> <p>(टिप्पणी - वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेतील एमबीए या शिक्षणक्रमाचा प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापन अभ्यासकेंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता मिळणेबतचा विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेपूढे सादर. मा. कुलगुरु यांचे आदेशानुसार एमबीए शिक्षणक्रमाचे प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापन अभ्यासकेंद्रावर करण्यास ॲक्टोबर, २०१५ बृंघपासून सुरुवात करण्यात आलेली आहे.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>एमबीए या शिक्षणक्रमाचा प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापन अभ्यासकेंद्रावर करण्यास विद्याशाखा परिषदेने कार्योत्तर मान्यता दिली.</p> |
| १.६.० | | <p>एमबीए या शिक्षणक्रमाचा शैक्षणिक वर्ष २०१४ च्या बँचच्या पूर्वीचे विद्यार्थ्यांचे प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापनही अभ्यासकेंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता मिळणेबाबत</p> <p>(टिप्पणी -</p> <p>०१.एमबीए या शिक्षणक्रमाचा शैक्षणिक वर्ष २०१४ च्या बँचच्या पूर्वीचे विद्यार्थ्यांचे प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल यांचे मूल्यमापनही अभ्यासकेंद्रावर करण्यास देण्यात यावी. तसेच या विद्यार्थ्यांना अभ्यासकेंद्रावर प्रकल्प आराखड्याची</p> |

| | | |
|-------|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.२.० | | <p>बी.कॉम. शिक्षणक्रमास यु जी सी च्या नियमानुसार नविन आराखड्यास मान्यता देणेबाबत</p> <p>(टिपणी - यु जी सी ने दिलेल्या आराखड्यानुसार वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेच्या बी.कॉम. शिक्षणक्रमामध्ये सेमिस्टर निहाय बदल करण्यात आलेला आहे. सदर झालेल्या बदलास व त्या अनुषंगाने नविन पाठ्यपुस्तकांना मान्यतेसाठी सदर विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषदेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>बी.कॉम. शिक्षणक्रमास यु जी सी च्या नियमानुसार नविन आराखड्यास मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.३.० | | <p>शालेय आर्थिक व्यवस्थापन प्रमाणपत्र शिक्षणक्रम हा शिक्षणक्रम सुरु करण्यास मान्यता मिळणेबाबत</p> <p>(टिपणी - शिवाजी शिक्षण संस्था अमरावती यांनी विद्यापीठास हा शिक्षणक्रम सुरु करण्याबाबत विनंती केलेली आहे. हा शिक्षणक्रम विकसीत करून त्यांनी त्यांच्या संस्थेमध्ये राबविलेला आहे. शिक्षणक्रम संयुक्तपणे राबविला जावा याबाबत संरथेने विद्यापीठाकडे प्रस्ताव दिलेला होता. ज्यास मा. कुलगुरुंनी मान्यता दिलेली आहे व त्यांना त्याबाबतीची संमंती कळविण्यात आलेली आहे. त्यामुळे या शिक्षणक्रमाच्या अध्ययन साहित्यावर शिवाजी शिक्षण संस्था व य.च.म. मूळत विद्यापीठ असा उल्लेख करण्यात येईल.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>शालेय आर्थिक व्यवस्थापन प्रमाणपत्र शिक्षणक्रम हा शिक्षणक्रम सुरु करण्यास विद्याशाखा परिषदेने मान्यता दिली.</p> |
| १.४.० | | <p>एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या लेखक, संपादकांच्या व आय टी एडिटींगचे नावांना मान्यता मिळणेबाबत.</p> <p>(टिपणी - वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेत शैक्षणिक वर्ष २०१२ पासून एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या पाठ्यपुस्तकांच्या विकसनाचे काम चालू आहे. त्यानुसार या दोन्ही शिक्षणक्रमाच्या प्रथम वर्षाच्या पाठ्यपुस्तकांचे लेखनाचे, संपादनाचे व आय टी एडिटींग चे काम पूर्ण झालेले आहे. परंतु या कालावधीत काही लेखक व संपादक यांनी काम करण्यास असमर्थता दर्शविल्यामुळे अन्य लेखक व संपादकांकडून हे काम पूर्ण करून घेण्यात आले आहे. या लेखक व संपादकांच्या नावांना मान्यता देण्यात याची तसेच द्वितीय वर्षाचे जे लेखक, संपादक व आय टी एडिटींगचे नावांना मान्यता</p> |

| | | |
|-------|--|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | | <p>मान्यता घेऊन प्रकल्प अहवाल अभ्यासकेंद्रावर सादर करून त्याचे मूल्यमापन हे १५० गुण प्रकल्प अहवाल व ५० गुणांची मौखिक परीक्षा अशया प्रकारचे असेल. तसेच विद्यार्थ्यांनी प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल मूल्यमापन शुल्क रु. ६२५/- अभ्यासकेंद्रावर अदा करण्यास मान्यता देण्यात यावी.</p> <p>०२. तसेच ज्या विद्यार्थ्यांचा नोंदणी कालावधी संपलेला आहे परंतु ज्या विद्यार्थ्यांना प्रकल्प अहवाल सादर करावयाचा आहे अशया विद्यार्थ्यांना पुर्ननोंदणी शुल्क विद्यापीठात भरून वरीलप्रमाणे कार्यवाही करण्यास मान्यता देण्यात यावी.</p> <p>०३. ज्या जून्या विद्यार्थ्यांचे अभ्यासकेंद्र बंद झालेले आहे अशया विद्यार्थ्यांनी जवळच्या अभ्यासकेंद्रावर वरीलप्रमाणे शुल्क अदा करून प्रकल्प अहवाल अभ्यासकेंद्रावर सादर करावा.</p> <p>०४. एमबीए व एम.कॉम शिक्षणक्रमाचे अभ्यासकेंद्र मानधन वर्गवारी तक्त्यास मान्यता मिळणेवाबत.</p> <p>(ज्या जून्या विद्यार्थ्यांचे अभ्यासकेंद्र बंद झालेले आहे अशया विद्यार्थ्यांनी जवळच्या अभ्यासकेंद्रावर वरीलप्रमाणे शुल्क अदा करून प्रकल्प अहवाल अभ्यासकेंद्रावर सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>एमबीए या शिक्षणक्रमाचा शैक्षणिक वर्ष २०१४ च्या बँचच्या पूर्वीचे विद्यार्थ्यांचे प्रकल्प आराखडा व प्रकल्प अहवाल (Synopsis and Project) यांचे मूल्यमापनही अभ्यासकेंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.७.० | | <p>एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या संमंत्रकाची व बहिस्थ परिक्षकांची मान्यतेची कार्यवाही विभागीय केंद्रावर करणेवाबत</p> <p>(टिप्पणी - एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या संमंत्रकाची व बहिस्थ परिक्षकांची मान्यतेची कार्यवाही विभागीय केंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता मिळणेवाबत वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>एमबीए व एम.कॉम. शिक्षणक्रमाच्या संमंत्रकाची व बहिस्थ परिक्षकांची मान्यतेची कार्यवाही विभागीय केंद्रावर करण्यास कार्योत्तर मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.८.० | | <p>विद्यापीठाचे नव्याने तयार होणाऱ्या एकत्रित माहितीपुस्तिकेबाबत</p> <p>(टिप्पणी - २०१६-१७ साठी विद्यापीठाने घेतलेल्या निर्णयानुसार एकत्रित माहिती पुस्तिका तयार करण्याचे कार्य सुरु आहे. त्यास मान्यतेसाठी सादर)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>विद्यापीठाचे नव्याने तयार होणाऱ्या एकत्रित माहितीपुस्तिकेस मान्यता देण्यात आली.</p> |

| | | |
|--------|--|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.९.० | | <p>ज्या अभ्यासकेंद्रावरील विद्यार्थी संख्या २० पेक्षा कमी आहे असे अभ्यासकेंद्र बंद करण्याबाबत (टिप्पणी - वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेंतर्गत राबविल्या जाणाऱ्या सर्व शिक्षणक्रमाच्या ज्या अभ्यासकेंद्रावरील विद्यार्थी संख्या ही २० पेक्षा कमी आहे असे अभ्यासकेंद्र बंद करण्याची कार्यवाही मान्यता मिळणेबाबत वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>ज्या अभ्यासकेंद्रावरील विद्यार्थी संख्या २० पेक्षा कमी आहे असे अभ्यासकेंद्र बंद करण्यास मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.९०.० | | <p>दिनांक ३०.०६.२०१५ रोजी झालेल्या वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेच्या एमबीए शिक्षणक्रमाचे प्रवेश परीक्षेबाबत, अंतर्गत मूल्यमापन व इतर येणाऱ्या अडचणीबाबतच्या इतिवृत्तास कार्योत्तर मान्यता देणेबाबत</p> <p>(टिप्पणी - दिनांक ३०.०६.२०१५ रोजी झालेल्या वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेच्या एमबीए शिक्षणक्रमाचे प्रवेश परीक्षेबाबत, अंतर्गत मूल्यमापन व इतर येणाऱ्या अडचणीबाबतच्या इतिवृत्तास कार्योत्तर मान्यता देणेबाबतचा विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परीषदेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>दिनांक ३०.०६.२०१५ रोजी झालेल्या वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेच्या एमबीए शिक्षणक्रमाचे प्रवेश परीक्षेबाबत, अंतर्गत मूल्यमापन व इतर येणाऱ्या अडचणीबाबतच्या इतिवृत्तास कार्योत्तर मान्यतादेण्यात आली.</p> |
| १.९९.० | | <p>बीबीए एक्वीएशन, हॉस्पिटलिटी अँड ट्रॅक्हल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट शिक्षणक्रमाच्या द्वितीय सत्राचे आणि डिप्लोमा इन एक्वीएशन, हॉस्पिटलिटी अँड ट्रॅक्हल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट शिक्षणक्रमाच्या द्वितीय सत्राचे लेखकांच्या, संपादकांच्या व आय टी एडिटिंग च्या नावास मान्यता मिळणेबाबत</p> <p>(टिप्पणी - बीबीए एक्वीएशन, हॉस्पिटलिटी अँड ट्रॅक्हल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट शिक्षणक्रमाच्या व डिप्लोमा इन एक्वीएशन, हॉस्पिटलिटी अँड ट्रॅक्हल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट या शिक्षणक्रमाच्या प्रथम सत्राचे काम सुरु झालेले आहे. तसेच द्वितीय सत्राचे काम सुरु करणे गरजेचे आहे. त्यानुसार सोबज जोडलेल्या यादीतील लेखकांच्या, संपादकांच्या व आय टी एडिटिंग च्या नावास मान्यता मिळणेबाबतचा विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परीषदेपुढे सादर.)</p> |

| | | |
|--------|--|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | | <p>वि. प. ठराव</p> <p>बीबीए एव्हीएशन, हॉस्पिटेलिटी अँड ट्रॅक्सल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट शिक्षणक्रमाच्या द्वितीय सत्राचे आणि डिप्लोमा इन एव्हीएशन, हॉस्पिटेलिटी अँड ट्रॅक्सल अँड दुरीझम मॅनेजमेंट शिक्षणक्रमाच्या द्वितीय सत्राचे लेखकांच्या, संपादकांच्या व आय टी ऎडिटिंग च्या सोबत जोडलेल्या यादीप्रमाणे नावास विद्यार्थींने ठरवून दिलेल्या विहित पद्धतीचा अंगलंब करूनच मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.१२.० | | <p>सहकार प्रशिक्षण कार्यक्रम सुरु करण्यास मान्यता मिळणेबाबत....</p> <p>(टिप्पणी - महाराष्ट्र सहकारी अधिनियम १९६० व कलम ४ नुसार सहकारी प्रशिक्षण संस्था म्हणून मान्यता मिळावी म्हणून शासनस्तरावर पाठपूरावा चालू आहे. शासनाकडून मान्यता मिळाल्यानंतर सहकारी संस्थेतील विविध घटकासाठी प्रशिक्षण वर्गाची आयोजन करण्यास मान्यतेबाबत वाणिज्य व्यवस्थापन विद्याशाखेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>सहकार प्रशिक्षण कार्यक्रम सुरु करण्यास मान्यता देण्यात आली.</p> |
| १.१३.० | | <p>लेखी परीक्षा मे-जून २०१६ च्या बदललेल्या प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूपाला मान्यता मिळणेबाबत...</p> <p>(टिप्पणी - लेखी परीक्षा मे-जून २०१६ च्या बदललेल्या प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूपाला मान्यता मिळणेबाबतचा विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषदेपुढे सादर.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>लेखी परीक्षा मे-जून २०१६ च्या बदललेल्या प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूपाला मान्यता मिळणेबाबत मूल्यमापन विभागाने ठरविलेल्या स्वरूपांस विद्याशाख्यां परिषदेने मान्यता दिली.</p> |
| १.१४.० | | <p>Certificate in Financial Services हा नविन शिक्षणक्रम सुरु करणेबाबत</p> <p>(टिप्पणी - Certificate in Financial Services हा नविन शिक्षणक्रम सुरु करण्यास मान्यता मिळणेबाबतचा विषय वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखेपुढे सादर.)</p> <p>(सोबत Certificate in Financial Services हा नविन शिक्षणक्रमाचे झाफ्ट मोडच्युल जोडलेले आहे.)</p> <p>वि. प. ठराव</p> <p>विद्याशाखेच्या सदस्य श्रीमती मशरूवाला मॅडम, मुंबई यांनी प्रस्तावित केलेला प्रमाणपत्र शिक्षणक्रम हा त्या विषयातील त्यांची तज्ज्ञता विचारात घेता या शिक्षणक्रमाचे विकसनाचे काम त्यांच्याकडे सोपविण्यात यावे व त्याबाबतचा पाठपूरावा केला जावा. शिक्षणक्रमाचे काम पूर्ण झाल्यानंतर शिक्षणक्रम सुरु करावा यास मान्यता देण्यात आली.</p> <p style="text-align: right;"> अध्यक्ष</p> <p>दिनांक - २०.०४.२०१६</p> <p>वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा परिषद</p> |